



मध्य प्रदेश शासन

# राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग मंत्रालय

## वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2021-22

राज्य आनंद संस्थान, माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर,  
शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) – 462011, दूरभाष : + 91-755-2553434  
ई-मेल: [anandsansthamp@gmail.com](mailto:anandsansthamp@gmail.com), वेबसाईट : [anandsansthamp.in](http://anandsansthamp.in)

**राज्य आनंद संस्थान**  
**आनंद विभाग मंत्रालय**  
**वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22**  
**विषय सूची**

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1	अध्याय - 1	
	संस्थान संबंधी सामान्य जानकारी	
	1.1. संस्थान का गठन	1
	1.2 संस्थान के उद्देश्य	1
	1.3 संस्थान की कार्यप्रणाली	1
	1.4 संस्थान का अमला	2
	1.5 संस्थान की वेबसाइट	2
2	अध्याय - 2	
	वर्ष 2021-22 के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां	
	2.1 कोरोना संक्रमणकाल के दौरान लोगों की मदद	3
	2.2 आनंदक	3
	2.3 अल्पविराम	4
	2.4 आनंदम केन्द्र	6
	2.5 आनंद उत्सव	6
	2.6 आनंद कैलेण्डर	6
	2.7 आनंद क्लब	7
	2.8 आनंद सभा	7
	2.9 आनंद शिविर	8
	2.10 आनंद रिसर्च फैलोशिप	9
	2.10.1 आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट	9
	2.10.2 आनंद अनुसंधान फैलोशिप	9

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
	2.10.3 आनंद डॉक्टोरल फैलोशिप	9
	2.11 हैप्पीनेस इण्डेक्स	9
	2.12 ऑनलाईन वीडियो कोर्स	10
	2.13 आनंद ग्राम एवं आनंद बस्ती	10
	2.14 अंतर्राष्ट्रीय दिवस	10
<b>3</b>	<b>अध्याय - 3</b>	
	संस्थान में नियुक्तियां	13
	संस्थान से भार मुक्त	13
<b>4</b>	<b>अध्याय - 4</b>	
	<b>वित्तीय प्रतिवेदन 2021-22</b>	
	प्राप्तियां	14
	व्यय	14
<b>6</b>	<b>परिशिष्ट</b>	
	परिशिष्ट - 1: राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा	15
	परिशिष्ट - 2 : राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति	16
	परिशिष्ट - 3: संस्थान अमला	17

## अध्याय – 1

### राज्य आनंद संस्थान संबंधी सामान्य जानकारी

#### 1.1 राज्य आनंद संस्थान का गठन

नागरिकों की खुशहाली एवं परिपूर्ण जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता आवश्यक है। सिर्फ भौतिक प्रगति व सुविधाओं से प्रसन्न रहना संभव नहीं है। राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है। अतः नागरिकों को ऐसी विधियां तथा उपकरण उपलब्ध कराने होंगे, जो उनके लिए आनंद का कारक बनें। विकास का मापदण्ड मूल्य आधारित होने के साथ-साथ नागरिकों के आनंद ज्ञात करने वाला भी होना चाहिए। इस अवधारणा को साकार करने के लिए भौतिक प्रगति के पैमाने से आगे बढ़कर आनंद के मापकों को भी समझा जाए तथा उनको बढ़ाने के लिए सुसंगत प्रयास किए जावे। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आनंद संस्थान का गठन अगस्त 2016 में किया गया था। यह संस्थान, मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग के अंतर्गत स्वायत्त इकाई के रूप में संचालित है।

#### 1.2 राज्य आनंद संस्थान के उद्देश्य

संस्थान के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार है :-

- आनंद एवं सकुशलता को मापने के पैमानों की पहचान करना तथा उन्हें परिभाषित करना।
- राज्य में आनंद का प्रसार बढ़ाने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करना।
- आनंद की अवधारणा संबंधी नियोजन नीति का क्रियान्वयन।
- आनंद की अनुभूति के लिए कार्य योजना एवं गतिविधियों का निर्धारण।
- निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मनःस्थिति का आंकलन करना।
- आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।
- आनंद के प्रसार के माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना।
- आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना।
- विभाग द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य।

#### 1.3 राज्य आनंद संस्थान की कार्यप्रणाली

राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अधीन पंजीकृत एक स्वशासी संस्था है। संस्थान की गतिविधियों का संचालन सामान्य सभा एवं कार्यकारिणी समिति के माध्यम से किया जाता है। संस्थान की सामान्य सभा के अध्यक्ष माननीय मुख्य मंत्री जी एवं संस्थान की कार्यपालन समिति के अध्यक्ष प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, आनंद विभाग है। राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा का विस्तृत विवरण परिशिष्ट-1 व कार्यपालन समिति का विवरण परिशिष्ट-2 पर दिया गया है।

#### **1.4 राज्य आनंद संस्थान का अमला**

राज्य आनंद संस्थान के कार्यों के निष्पादन हेतु 28 पद स्वीकृत है। इन 28 स्वीकृत पदों के विरूद्ध वर्तमान में 15 अधिकारी/ कर्मचारी कार्यरत है । संस्थान के अधिकारी/ कर्मचारी संरचना का विस्तृत विवरण परिशिष्ट-3 पर दिया गया है ।

#### **1.5 राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट [www.anandsansthانmp.in](http://www.anandsansthانmp.in)**

राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट 8 नवंबर, 2016 को लांच की गई। इस वेबसाइट के माध्यम से संस्थान द्वारा अपने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अल्पविराम, आनंद उत्सव, आनंदम, आनंद कैलेण्डर, आनंद क्लब, आनंद सभा, आनंद शिविर, अलोहा, आनंद ग्राम/ बस्ती आदि के बारे में तथा कार्यक्रमों व गतिविधियों को आमजन तक पहुँचाने तथा इसमें उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

राज्य आनंद संस्थान से संबंधित विभिन्न सूचनाओं/जानकारियों, इसके क्रियाकलापों एवं उपलब्धियों को देश दुनिया तक पहुँचाने के लिये भी वेबसाइट की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

-----00-----

## अध्याय - 2

### वर्ष 2021-22 के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां

वर्ष 2021-22 के दौरान कोरोना संक्रमण फैला हुआ था, इस दौरान नागरिक अपना अधिकतर समय घर में बिता रहे थे। ऐसे में लोगों के बीच तनाव, भय, निराशा, अवसाद आदि की भावनाएं बढ़ने की आशंका को देखते हुए संस्थान द्वारा लोगों के बीच आनंद का प्रसार करने तथा लोगों की चिंता, भय, अवसाद आदि को दूर कर उनके मन में आशा, विश्वास एवं सकारात्मकता बढ़ाने हेतु विभिन्न नवाचार के साथ अनेकों गतिविधियों का संचालन किया गया। साथ ही संस्थान द्वारा अपनी नियमित गतिविधियों को भी कोरोना संक्रमण काल की आवश्यकता एवं गाइड लाईन के अनुरूप ढाला गया। इस वित्तीय वर्ष में राज्य आनंद संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की 31 मार्च-2022 की स्थिति में प्रगति निम्न अनुसार है:-

#### 2.1 कोरोना संक्रमणकाल के दौरान लोगों की मदद-

राज्य आनंद संस्थान ने कोरोना महामारी के विरुद्ध अपने योगदान को सुनिश्चित करने के लिए आनंदकों, जिला संपर्क व्यक्ति, आनंदम सहयोगी तथा आनंद क्लब के सदस्यों से ऑनलाईन मीटिंग एवं सोशल मीडिया के माध्यम से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने जिले में स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर कोरोना संक्रमण के विरुद्ध उठाए जा रहे प्रशासन के प्रयासों में अपना पूर्ण सहयोग करें। संस्थान से जुड़े लोगों ने तत्काल अपने-अपने जिलों में आनंदकों के छोटे-छोटे समूह, सोशल मीडिया के माध्यम से तैयार किये एवं लोगों की सेवा में जुट गए। इन सेवा कार्यों में मुख्य रूप से लोगों को आवश्यक वस्तुएं जैसे- राशन के पैकेट, पका हुआ भोजन, दवाईयां, मास्क एवं सेनेटाइजर वितरण जैसे विभिन्न कार्य किए गए। आनंदकों द्वारा राज्य के बाहर एवं राज्य के अंदर विभिन्न स्थानों पर फंसे लोगों को अपने घर पहुंचाने में तथा कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य भी किया गया। आनंदको द्वारा कोरोना से संक्रमित लोगों को प्रोत्साहित करने हेतु चर्चा की गई तथा फेसबुक पोस्ट आदि प्रसारित कर लोगों के मन से इस बीमारी के भय एवं तनाव को दूर करने का प्रयास किया गया।

#### 2.2 आनंदक -संस्थान के कार्यों में सहयोग करने वाले ऐसे स्वयंसेवी कार्यकर्ता जो नि:शुल्क एवं स्वैच्छिक

##### आनंदक और उनसे अपेक्षाएं

1. “आनंदक” से संस्थान की निम्न अपेक्षाएं हैं :-
  - वह अपने सामान्य कार्य कलापों के अतिरिक्त संस्थान की गतिविधियों को स्वप्रेरणा से तथा बिना किसी मानदेय के संचालन करने के लिये तैयार हो।
  - संस्थान द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जावेगा उस पर समय पर उपस्थित होंगे तथा उसी प्रशिक्षण के अनुरूप कार्य करेंगे।
  - संस्थान की बेवसाईट का समय समय पर अवलोकन करते रहेंगे ताकि आनंदकों के लिये प्रसारित निर्देशों से अवगत रहें।
  - संस्थान को समय समय पर ऐसा फीड बैक देते रहेंगे जिससे उसकी गतिविधियों में निरंतर सुधार आ सके।
  - अपने कर्तव्यों तथा विचारों से दूसरों के लिये सकारात्मक उदाहरण बनेंगे। (Be the change that you want) अर्थात् दूसरों के जीवन जीने की शैली में जो परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे उस परिवर्तन को पहले अपने जीवन में अनुभव करेंगे ताकि वह स्वतः उदाहरण बन सके।
  - अन्य व्यक्तियों को भी आनंद गतिविधियों में भाग लेने के लिये प्रेरित करेंगे।
2. पंजीकरण के दौरान आनंदक संचालित कार्यक्रम जैसे आनंद उत्सव/ आनंद सभा/ आनंदम में से किसी भी कार्यक्रम में सहभागिता का विकल्प चुन सकेंगे।
3. चयनित आनंदकों को कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने के लिये आवश्यक प्रशिक्षण दिया जावेगा, जिसमें आनंदक कार्यक्रम में सक्रिय भाग ले सकेंगे।

रूप से अपने अन्य सामान्य कार्यकलापों के अतिरिक्त राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियाँ करने के लिए स्वप्रेरणा से तैयार हैं, को 'आनंदक' नाम से सम्बोधित किया गया है। आनंदकों से संस्थान यह अपेक्षा करता है कि वे अपने कर्तव्य तथा विचारों से दूसरों के लिए सकारात्मक उदाहरण बन सके तथा अन्य व्यक्तियों को भी आनंद संस्थान की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

यदि कोई शासकीय सेवक आनंदक के रूप में आनंद संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होता है तो उसकी उपस्थिति को शासकीय कार्य के रूप में माना गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्देश

जारी किये गये हैं ।

कोई भी व्यक्ति "आनंदक" के रूप में पंजीकृत होने के लिये राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट [www.anandsansthamp.in](http://www.anandsansthamp.in) का उपयोग कर सकता है। इस वित्तीय वर्ष में छः हजार से अधिक नये आनंदक संस्थान के साथ जुड़े हैं, जिनको मिलाकर 31 मार्च-2022 तक -63283- आनंदक स्वैच्छा से स्वयंसेवक के रूप में जुड़ चुके हैं।

### 2.3 अल्पविराम

‘अल्पविराम’ आनंद संस्थान द्वारा संचालित एक ऐसी गतिविधि है जिसके माध्यम से आम नागरिकों एवं शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक सोच का विकास किया जा सकेगा। सकारात्मक सोच का लोक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन तथा प्रदाय से सीधा संबंध है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों का दृष्टिकोण की परिपूर्णता की मौलिक समझ पर आधारित हो।

अल्पविराम शांत समय में अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है, जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को दृढ़ बनाता है। अल्पविराम के माध्यम से व्यक्ति स्वयं अपने जीवन से दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं । व्यक्ति यदि स्वयं आनंदित हैं तो वह दूसरों को भी आनंदित रहने का मार्ग प्रशस्त कर सकेगा।

अल्पविराम गतिविधि के अंतर्गत संस्थान का यह प्रयास भी है कि ऐसे स्वयंसेवक (आनंदम सहयोगी) तैयार किये जाए, जो अपने व अन्य कार्यालयों तथा समाज की अन्य ईकाइयों में सकारात्मक जीवन शैली अपनाने की आवश्यक विधियाँ उपलब्ध करा सके। आनंदम सहयोगी अशासकीय व्यक्ति अथवा शासकीय सेवक हो सकते हैं।

#### ऑनलाईन कार्यक्रमों की शुरुआत-

संस्थान द्वारा कोरोना संक्रमण के दौरान लोगों को एकत्र कर कार्यक्रम न कर पाने की स्थिति में ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रमों का नवाचार प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में लोगों को सकारात्मकता की ओर ले जाने तथा आंतरिक आनंद की अनुभूति के प्रमुख कार्यक्रम अल्पविराम का पांच दिवसीय ऑनलाईन कोर्स भी आरंभ किया। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 1:30 घण्टे का एक सेशन होता है एवं इसमें 40-40 प्रतिभागी ऑनलाईन पंजीकरण के माध्यम से भाग सकते हैं। वर्ष 2021-22 में विभिन्न ऑनलाईन/ऑफलाइन के 138 अल्पविराम कार्यक्रम संचालित किये गये हैं, जिसमें 5776 प्रतिभागी शामिल रहे । इन कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

- (i) **ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रम-** राज्य आनंद संस्थान द्वारा कोरोना संक्रमणकाल के पूर्व जहां वर्ष में लगभग 20 अल्पविराम कार्यक्रम संचालित होते थे, वहीं कोरोना संक्रमण काल के दौरान पांच दिवसीय ऑनलाईन अल्पविराम के कुल 51 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों में कुल 2241 प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं।
- (ii) **ब्लॉक आनंदक सम्मेलन-** संस्थान के पूर्व से पंजीकृत आनंदको/ नये आनंदकों के साथ तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय आनंद परिचय सम्मेलन कार्यक्रम अंतर्गत 32 ब्लॉक आनंद सम्मेलन के माध्यम से 839 आनंदकों को आनंद की पद्धतियों के प्रसार एवं आंतरिक आनंद की अनुभूति के लिए प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।
- (iii) **शिक्षण संस्थाओं के लिए-** संस्थान द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के छात्रों एवं फेकेल्टी के लिए आनंद विषय पर छः दिवसीय 01 ऑनलाईन माह मई-2021 में 80 छात्र एवं फेकेल्टी के साथ आयोजित किया गया। इसी प्रकार आनंद विहार कन्या महाविद्यालय, भोपाल के छात्रों एवं शिक्षकों के

लिए पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 50 प्रतिभागियों तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल के समन्वय से छः दिवसीय 60 प्रतिभागियों के लिये कार्यक्रम किया गया।

- (iv) **चयनित जिलो हेतु अल्पविराम-** संस्थान द्वारा प्रदेश के विशेष रूप से चयनित जिलो के आनंदकों हेतु पांच दिवसीय ऑनलाइन अल्पविराम कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला अशोकनगर, बालाघाट, भोपाल, दतिया, डिण्डौरी, इंदौर, झाबुआ, पन्ना, राजगढ़, रतलाम, सिहोर, श्योंपुर, सीधी, शहडोल, शाजापुर एवं टीकमगढ़ में एक-एक साथ ही ग्वालियर में दो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस प्रकार कुल 18 अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 664 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।
- (v) **आनंद ग्राम आनंदकों हेतु प्रशिक्षण-** राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले के एक ग्राम को चयनित कर उसे आनंद ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु प्रयास किया जा रहा है। इस हेतु चयनित आनंद ग्राम के आनंदकों हेतु एक ऑनलाइन अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 100 आनंदकों की सहभागिता रही।
- (vi) **जिलो द्वारा स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम-** संस्थान से जुड़े आनंदक, आनंदम सहयोगी, मास्टर ट्रेनर्स, जिला संपर्क व्यक्ति एवं डिस्ट्रीक्ट प्रोग्राम लीडर द्वारा स्वयं के प्रयासों द्वारा स्थानीय स्तर पर समय-समय पर संस्थाओं, शासकीय-अशासकीय कार्यालयों में अल्पविराम पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2021-22 में प्रदेश में स्थानीय स्तर पर 26 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 1206 प्रतिभागियों को लाभान्वित करने का प्रयास जिला स्तर पर किया गया।
- (vii) **आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण-** अल्पविराम की प्रक्रिया को प्रदेश व्यापी विस्तार देने हेतु राज्य आनंद संस्थान आनंदकों को सहयोगी के रूप में तैयार कर रहा है। इस हेतु नियमित अंतराल पर सहयोगी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जाते हैं। यह प्रशिक्षण तीन दिवसीय एवं आवासीय होता है एवं संस्थान द्वारा रजिस्टर्ड आनंदकों हेतु 03 आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कुल 118 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- (viii) **आनंदम सहयोगी रिफ्रेशर प्रशिक्षण-** संस्थान द्वारा 02 आनंदम सहयोगी रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें 77 व्यक्तियों की सहभागिता रही।
- (ix) **प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण-** वर्ष 2021-22 में संस्थान द्वारा आनंदम सहयोगी एवं रिफ्रेशर प्रशिक्षण प्राप्त किये गये प्रशिक्षकों हेतु 10 दिवसीय आवासीय TOT (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर) प्रशिक्षण कार्यक्रम दिसम्बर-2021 एवं फरवरी-2022 में IOFC पंचगनी, पुणे में आयोजित किये गये, जिनके माध्यम से 37 आनंदम सहयोगियों को TOT का प्रशिक्षण दिया गया।
- (x) **संस्थान के कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम-** संस्थान द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं चतुर्थ शनिवार को शासकीय सेवकों/ अशासकीय व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान कार्यालय में आयोजित किये जाते हैं। किन्तु मार्च-2020 कोविड-19 संक्रमण में लोगों को एकत्र करने के शासकीय दिशा निर्देश के पालन करते हुए यह कार्यक्रम स्थगित रहें।

इस प्रकार राज्य आनंद संस्थान अपने स्थापना दिवस 2016 से वर्ष 2021-22 तक लगभग तेईस सौ से अधिक अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें लगभग एक लाख तेरह हजार से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता रही।



## 2.4 आनंदम केन्द्र (नेकी की दीवार)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक उपयुक्त सार्वजनिक स्थल का चयन कर, न्यूनतम सुविधा को विकसित करते हुए एक आनंदम केन्द्र बनाया जाता है। इस केन्द्र पर आमजनो को अपने घरों में उपलब्ध आवश्यकता से अधिक उपयोगी सामान को छोड़ने तथा उस सामान की जिसे उनकी जरूरत हो, वहाँ से निःशुल्क तथा बिना किसी से पूछे ले जाने की स्वतंत्रता होती है। इस कार्यक्रम का संचालन जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं/आनंद क्लबों के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जरूरत मंदों को उनकी आवश्यकता का सामान उपलब्ध करवाना तथा सामग्री प्रदायकर्ता को JOY OF GIVING का अनुभव कराना है।

वर्तमान में प्रदेश के 52 जिलों में कुल 172 निर्धारित स्थानों पर आनंदम केन्द्र चल रहे हैं। राज्य आनंद संस्थान द्वारा इन केन्द्रों का पर्यवेक्षण जिलों में कार्यरत जिला संपर्क व्यक्तियों (आनंदक) के माध्यम से किया जा रहा है। वर्ष 2021-22 के दौरान खुले स्थानों पर संचालित आनंदम केन्द्रों को कवर्ड कैम्पस में स्थानांतरित करने की दिशा में प्रयास किया गया। वर्ष 2021-22 में 28 आनंदम केन्द्रों को कवर्ड कैम्पस में स्थानांतरित किया गया है। साथ ही आनंद केन्द्रों पर वस्तुओं में आदान-प्रदान के साथ अन्य गतिविधि जैसे- कोचिंग क्लास, सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण, खेल आदि का आयोजन भी स्थानीय स्वैच्छिक संस्थाओं, आनंदकों/ आनंद क्लबों के सहयोग से किये जाने के भी प्रयास शुरू किये गये है।

## 2.5 आनंद उत्सव

लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन कीर्तन, नाटक तथा खेलकूद की गतिविधियां परिपूर्ण जीवन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस मान्यता के आधार पर आनंद उत्सव की परिकल्पना की गई है। आनंद संस्थान द्वारा आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी से मनाने का निर्णय लिया गया है।

वर्ष 2021-22 में कोविड-19 संक्रमण नियंत्रण एवं सामूहिक कार्यक्रम एवं उत्सव आयोजित करने हेतु शासन के दिशा निर्देश के अनुसार आनंद उत्सव आयोजित किए जाने का निर्णय लिया। आनंद उत्सव-2022 कार्यक्रम आयोजन हेतु 5 हजार से अधिक स्थानों पर पंजीयन हुए थे, किन्तु कोविड संक्रमण के पुनः उभार के कारण कुल 2780 स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ।

## 2.6 आनंद कैलेण्डर

संस्थान द्वारा "आनंद कैलेण्डर" तैयार किया गया है। यह कैलेण्डर जीवन में सकारात्मक सोच को विकसित करते हुये आन्तरिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति को प्राप्त करने का रास्ता दिखाता है।

आनंद कैलेण्डर में प्रत्येक माह के लिये एक विषय निर्धारित करते हुये उस विषय से जुड़ी कुछ गतिविधियां सुझाव के तौर पर दी गई है। इन गतिविधियों का अभ्यास करने का तरीका कैलेण्डर में दिया गया है। प्रत्येक माह में दी गई गतिविधियों का रोज अभ्यास करना अपेक्षित है। आनंद कैलेण्डर में अप्रैल से दिसम्बर तक कृतज्ञता, खेल,



अल्पविराम, मदद, सीखना, संबंध, स्वीकार्यता, लक्ष्य, जागरूकता, जैसे विषयों को लिया जाकर अंतिम तीन माहों में आनंद की उपरोक्त 9 धाराओं के संगम के लिए निरंतर अभ्यास करने हेतु अनुरोध किया गया है।

उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिये आनंद कैलेण्डर को राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। साथ ही आनंद कैलेण्डर के उपयोग के दौरान उनके अनुभवों तथा टिप्पणियों को दर्ज करने की सुविधा भी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आनंद कैलेण्डर के सहज उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इसे मोबाईल पर भी उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए राज्य आनंद संस्थान ने मोबाईल एप्प तैयार करके गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड करने की सुविधा दी है। इस मोबाईल एप्प को डाउनलोड करके कोई भी आनंदक अपने लिए विशिष्ट आनंद कैलेण्डर बना सकता है और उसके द्वारा की गई गतिविधियों को उसमें दर्ज भी कर सकता है।

## **2.7 आनंद क्लब**

परिपूर्ण एवं आनंदमयी जीवन जीने के लिए विगत कुछ दशकों में “साईस ऑफ हैप्पीनेस” के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में भी आनंदमयी जीवन जीने के अनेक उपकरण उपलब्ध हैं। बहुत से व्यक्ति निजी स्तर पर अथवा संस्थागत रूप से ऐसी गतिविधियां संचालित करते हैं, जिनसे समाज में सकारात्मकता तथा आनंद का प्रसार होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे प्रयासों को एक संगठित रूप दिया जाए। यह भी सर्वविदित है कि भले ही प्रसन्नचित रहना हम सभी की जरूरत है, परन्तु इसके लिए क्या करना चाहिए, इसकी स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं होती। “आनंद क्लब” के माध्यम से प्रसन्नचित रहने के कौशल को सभी वर्गों तक पहुँचाने का काम किया जा सकेगा।

“आनंद क्लब” की परिकल्पना इस विचार पर आधारित है कि समाज में स्वयंसवेकों के समूह आनंदमयी जीवन जीने का कौशल पहले खुद सीखें, उसे अपने जीवन में उतारे और फिर उसका प्रसार अपने पड़ोस में करें। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने का इच्छुक है तो वे आनंद क्लब गठित करने की योग्यता रखते हैं। कोई भी व्यक्ति जो आनंदक के रूप में पंजीकृत है, वह अपने साथ चार अन्य व्यक्तियों को जोड़कर क्लब का गठन कर सकता है। इस प्रकार कुल 5 इच्छुक व्यक्ति मिलकर क्लब का गठन कर सकेंगे।

राज्य आनंद संस्थान आनंद क्लब का अपनी वेबसाइट [www.anandsansthamp.in](http://www.anandsansthamp.in) पर पंजीयन कर उनके द्वारा किये गये सकारात्मक कार्यों का प्रचार-प्रसार कर रहा है, जिससे समाज में सकारात्मकता का संदेश फैले। इसी के साथ संस्थान पंजीकृत क्लब के सदस्यों को प्रशिक्षण तथा अध्ययन सामग्री आनलाईन उपलब्ध करा रहा है, जिससे वे दुनियाभर में आनंद के क्षेत्र में हो रहे नवाचरों व कार्यों से परिचित होकर अपने क्लब की गतिविधियों को और बेहतर कर सकें। 31 मार्च-2022 में संस्थान के साथ 451 आनंद क्लब पंजीकृत हैं।

## **2.8 आनंद सभा**

स्कूलीय छात्रों को सशक्त एवं परिपूर्ण जीवन कला सिखाने तथा आंतरिक क्षमता विकसित करने के लिए आनंद सभा कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। शैक्षणिक संस्थाओं को ऐसे मॉड्यूल उपलब्ध कराये जावेंगे जिनके अनुसार विद्यार्थी ऐसी क्रियाओं में भाग लेंगे, जो उनके जीवन में संतुलन लाने में सहायक होंगे।

विद्यालयों में आनंद सभा के संचालन के लिये संस्थान द्वारा शिक्षकों हेतु एक मॉड्यूल तैयार किया गया। इस मॉड्यूल में देने का सुख, क्षमा करने की शक्ति, क्षमा मांगने की शक्ति, कृतज्ञता की शक्ति, दूसरों में अच्छाई देखना, स्वीकार्यता का महत्व, ध्यान की शक्ति, संकल्प की शक्ति, दृष्टिकोण का महत्व, चिन्ता का कोई लाभ नहीं एवं आत्मविश्वास से संबंधित 11 सत्रों को शामिल किया गया है।

आनंद सभा के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों को उपरोक्तानुसार चयनित 11 विषयों पर अलग-अलग गतिविधियों, खेल एवं कहानियों के माध्यम से आनंद सभा का संचालन किया जावेगा।

ऑनलाईन आनंद सभा:- कोविड-19 संक्रमण के कारण काम काजी व्यक्तियों के साथ बंद स्कूल एवं कॉलेजों के विद्यार्थी भी घर से ही ऑनलाईन क्लासेस के माध्यम से अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। किसी शारीरिक व्यायाम या खेलकूद से दूर होने अथवा अन्य शारीरिक गतिविधियों से दूर थे, जिस कारण उनके भीतर भी उदासीनता उत्पन्न

होने लगी थी। विद्यार्थियों की इस मानसिकता को महसूस करते हुए संस्थान ने ऑनलाईन आनंद सभा का आरंभ किया। इस कार्यक्रम में एक ही स्कूल या उम्र के बच्चों ने नहीं अपितु प्रदेश के हर आयु वर्ग और स्कूल के बच्चों ने अपनी सक्रिय सहभागिता की। ऑनलाईन आनंद सभा के वर्ष 2021-22 में 30 कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 4460 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को संस्थान के यू-ट्यूब चैनल पर लाईव भी किया जाता है।

**जिलो द्वारा स्थानीय स्तर पर आनंद सभा का संचालन-** आनंद सभा संचालन हेतु संस्थान के प्रशिक्षित शिक्षकों, आनंदम सहयोगियों एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा अपने जिलों के विद्यालयों में आनंद सभा का आयोजन करते हुए 13 कार्यक्रम कर 626 बच्चों को इस कार्यक्रम से लाभान्वित करने का प्रयास किया गया।

इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त समय-समय पर संस्थान द्वारा आवश्यकता अनुसार अन्य कार्यक्रम भी संचालित किए हैं:-

**आनंद सभा ऑरिएंटेशन कार्यक्रम-** माह जुलाई-2021 में छतरपुर जिले के एक्सीलेंस स्कूल के शिक्षकों के लिए आनंद सभा के **01** प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम में 30 शिक्षक लाभान्वित हुए।

**आओं दिल की बात करें-** आओं दिल की बात करें कार्यक्रम का ऑनलाईन आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम अंतर्गत माह नवम्बर-2021 तक कुल **13** कार्यक्रम किए गए हैं जिसमें 857 लाभान्वित हुए।

**जागरूकता से जीती जंग-** कोरोना संक्रमण से उभरे लोगों के अनुभवों को सम्मिलित करते हुए आमजन के मनोबल को बढ़ाने के लिए जागरूकता से जीती जंग विषय पर माह नवम्बर-2021 तक छतरपुर जिले के कोविड-19 से उभरे मरीजों एवं चिकित्सकों के लिए तीन दिवसीय 01 कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 40 से अधिक प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

**गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के लिये प्रशिक्षण-** कोविड-19 संक्रमणकाल के दौरान गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं में उत्पन्न हो रहे भय एवं अवसाद से उबभरने और बचाव हेतु जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला छतरपुर हेतु माह जुलाई-2021 में आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से 50 महिलाओं को लाभान्वित करने का प्रयास किया गया।

**सार्वभौमिक मानवीय मूल्य कार्यशाला (UHV)-** आनंद संस्थान के अधिकारी/ कर्मचारियों के लिए यूनिवर्सल ह्युमन वैल्यूज तथा AICTE के साथ मई-2021 में एक एवं जुलाई-2021 में एक (पांच दिवसीय) ऑनलाईन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्रमशः 52 एवं 149 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। माह 14 से 21 नवम्बर-2021 तक 08 दिवस का आवासीय शिविर संस्थान में आयोजित किया गया। इस शिविर से 90 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। इस प्रकार अब तक **02** ऑनलाईन एवं **01** आवासीय शिविर में कुल 291 प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही माह दिसम्बर-2021 में आयोजित कार्यक्रम में 379 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

## **2.9 आनंद शिविर**

शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाने तथा उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए राज्य आनंद संस्थान द्वारा "आनंद शिविर" आयोजित किये जा रहे हैं। राज्य आनंद संस्थान द्वारा वर्तमान में तीन संस्थानों- 1. आर्ट ऑफ लिविंग, बैंगलुरु 2. एनिशिएटिव ऑफ चेंज, पुणे तथा 3. ईशा फाउण्डेशन, कोयम्बटूर से इस हेतु एमओयू किया गया है।

उक्त संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण में शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण शुल्क तथा टी.ए. की प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग द्वारा की जावेगी। इन शिविरों में भाग लेने वाले शासकीय सेवकों द्वारा संस्थान की वेबसाइट पर रूपये 500/- शुल्क जमा कर पंजीयन किया जाता है।

शासकीय सेवक से संबंधित पति अथवा पत्नी जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनके शिविर में भाग लेने पर उनका पंजीयन तथा प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर सीधे राज्य आनंद संस्थान के कोष में जमा कराया जाता है। इसी प्रकार निगम/मंडल/बोर्ड आदि के कर्मचारियों द्वारा स्वयं का और उनके पति अथवा पत्नी जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनका पंजीयन एवं प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर भुगतान किया जाता है। इस प्रकार राज्य आनंद संस्थान को प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त समस्त राशि का समेकित भुगतान आनंद शिविर आयोजित करने वाले संबंधित संस्थान को कर दिया जाता है।

उपरोक्त तीनों संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जाने वाले शिविरों का कैलेण्डर, संस्थान की वेबसाईट [www.anandsansthanmp.in](http://www.anandsansthanmp.in) पर उपलब्ध कराया जाता है। कोविड-19 संक्रमण के कारण वर्ष 2021-22 में आनंद शिविर आयोजित नहीं हो सके हैं।

## **2.10 आनंद रिसर्च फैलोशिप**

प्रदेश के शिक्षण एवं शोध संस्थानों में आनंद के विषय पर अध्ययन, शोध/अनुसंधान करने के लिए 1.आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट 2.आनंद अनुसंधान फैलोशिप तथा 3.आनंद डॉक्टरल फैलोशिप कार्यक्रम आरंभ किये जा रहे हैं।

### **2.10.1 आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट**

इसका उद्देश्य आनंद एवं खुशहाली के विषय पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट तथा इस हेतु प्रभावी उपकरण और तकनीकों पर अनुसंधान करना है। प्रोजेक्ट की अवधि 3 वर्ष की होकर प्रत्येक अनुसंधान प्रोजेक्ट के लिए अधिकतम रूपये 10 लाख का प्रावधान रखा गया है। एक वर्ष में अधिकतम 5 प्रोजेक्ट स्वीकृत किये जायेंगे।

### **2.10.2 आनंद अनुसंधान फैलोशिप**

इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर एक्शन रिसर्च एवं प्रोजेक्ट वर्क को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि अधिकतम 2 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को अधिकतम रूपये 5 लाख की सहायता प्रदान की जायेगी। एक समय पर 5 से अधिक फैलोशिप नहीं दी जावेगी।

### **2.10.3 आनंद डॉक्टरल फैलोशिप**

इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर डॉक्टरल रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि 3 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को प्रतिवर्ष रूपये 3 लाख तक की सहायता प्रदान की जायेगी। वर्ष में अधिकतम 5 डॉक्टरल फैलोशिप स्वीकृत किये जायेंगे।

## **2.11 हैप्पीनेस इंडेक्स**

राज्य में नागरिकों के जीवन में आनंद के स्तर को मापने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण करने का शासन द्वारा निर्णय लिया गया है। यह सर्वेक्षण आन्तरिक तथा बाह्य सकुशलता आंकने का कार्यक्रम होगा, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित व मान्य उत्कृष्ट विधियों के आधार पर तैयार किया जायेगा। राज्य आनंद संस्थान ने आईआईटी खड़गपुर के साथ एम.ओ.यू. किया है जिसके अंतर्गत वह आनंद के लिए पैमानों की पहचान, लोगो को आनंदित करने की विधियों व उपकरणों का विकास करेंगे। हैप्पीनेस इंडेक्स की गणना के लिए आईआईटी खड़गपुर द्वारा प्रदेश के 10 जिलों के 3-3 सर्वेयर को प्रशिक्षित कर पायलट सर्वे कार्य किया गया है।

आई.आई.टी. खड़गपुर के साथ मिलकर संस्थान द्वारा हैप्पीनेस इंडेक्स हेतु आवश्यक प्रश्नावली तैयार कर ली गयी है तथा कोरोना संक्रमण के उपरान्त स्थिति सामान्य होने पर सर्वेक्षण का कार्य आगे बढ़ाया जावेगा।

## **2.12 ऑनलाईन वीडियो कोर्स**

हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल आफ बिज़नेस (आई.एस.बी.) द्वारा "A life of happiness and fulfilment" विषय पर चलाये जा रहे वीडियो कोर्स को मध्यप्रदेश में भी चलाये जाने के संबंध में आनंद संस्थान द्वारा पहल की गई हैं। अमेरिका की टेक्सास यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर श्री राज रघुनाथन द्वारा अंग्रेजी में विकसित किये गये इस पाठ्यक्रम में विविध क्षेत्र जैसे साइक्लोजी, न्यूरोसाइंस तथा बिहैवीरल डिसिज़न थ्योरी के माध्यम से व्यवहारिक तथा जांची परखी हुई विधियों के माध्यम से जीवन में खुशहाली व आनंद को प्राप्त करने की विधि बहुत ही सरल भाषा में बताई गई है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा उपरोक्त वीडियो कोर्स को हिन्दी में अनुवाद करने तथा अपने नागरिकों को भी इस कोर्स का लाभ देने के लिए आईएसबी, हैदराबाद के साथ एक एमओयू निष्पादित किया गया है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश की आवश्यकता को देखते हुए इस कोर्स को हिन्दी में अनुवाद किया गया है। यह कोर्स 6 सप्ताह का है, जिसमें प्रत्येक सप्ताह हेतु कुछ वीडियो व्याख्यान तथा संबंधित अभ्यास है। संस्थान द्वारा माह मई-2020 में इस कोर्स को लॉन्च किया गया, जिस समय लोगों को इस तरह के कोर्स की अत्यन्त आवश्यकता थी। अब तक दस हजार से अधिक प्रतिभागियों ने कोर्स हेतु पंजीयन किया है।

## **2.13 आनंद ग्राम एवं आनंद बस्ती**

राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश के विभिन्न भागों में ग्रामों का चयन किया जा रहा है जिसमें आनंद संस्थान की गतिविधियों को समग्र रूप से संचालित किया जाएगा। ऐसे ग्राम में विद्यालय के छात्रों के लिए आनंद सभा संचालित की जाएगी। इस ग्राम में आनंद क्लब का गठन किया जायेगा, आनंद कैलेण्डर का उपयोग, आनंद उत्सव, तथा अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। ग्रामवासियों में से ही इच्छुक ग्रामवासियों को आनंदम सहयोगी के रूप में प्रशिक्षित किया जायेगा।

ग्राम में आनंद गतिविधियों के संचालन के सकारात्मक परिणाम मिलेगे तो ऐसे ग्राम को "Centre for happiness" के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि वहां से यह गतिविधियां आसपास के ग्रामों में भी आनंदकों के माध्यम से पहुंचाई जा सके।

आनंद ग्राम की ही भांति शहरी क्षेत्र में चयनित मलिन बस्ती को आनंद बस्तियों के तौर पर विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। इस बस्ती में युवकों, बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों के अलग-अलग समूह बनाकर उनके साथ राज्य आनंद संस्थान में प्रचलित आनंद के टूल का प्रयोग किया जावेगा, जिसमें अल्पविराम, आनंद सभा, आनंद क्लब जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। आनंद बस्ती में आनंदम केन्द्र संचालित किया जावेगा। साथ ही बस्ती के बच्चों के साथ आनंद सभा का आयोजन होगा। इस कार्य में स्थानीय आनंदकों व स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जावेगा। प्रत्येक जिले के एक ग्राम का चयन कर उसे आनंद ग्राम के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। भोपाल जिले में रेखी सेन्टर फॉर हैप्पीनेस के सहयोग से फंदा ब्लॉक के मुगालियाछाप ग्राम को आनंद ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 31 मार्च-2022 तक 17 जिलों में एक-एक आनंद ग्राम का चयन किया जा चुका है।

## **2.14 अंतर्राष्ट्रीय दिवस**

वैश्विक रूप से अनेक दिवसों को विशेष दिवस के रूप में मनाने के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ तथा इससे जुड़ी संस्थाओं द्वारा चिन्हित किया गया है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रत्येक माह में आनंद से जुड़े एक दिवस को पूरे प्रदेश में अपने आनंदकों के साथ मिलकर विशेष थीम के प्रति लोगों की जागरूकता व संवेदशीलता को बढ़ाने के लिये आयोजित किया जाता है।

**विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून-** विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाते हुए चेतना जागृत करना और आम जनता को प्रेरित करना है। कोविड-19 ने जहां एक ओर दुनिया भर में विकट चुनौतियां पैदा की हैं, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक सौंदर्य के अद्भुत व जीवंत नजारे भी देखने को मिल रहे हैं एवं पर्यावरण ने सकारात्मक करवट ली है। किन्तु पर्यावरणीय समस्या का यह अल्पकालिक सुधार न तो स्थायी समाधान है और न ही वांछनीय परिणाम। अतः इस विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिये इसे मनाया गया।

**अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस 30 जुलाई-** 30 जुलाई एवं कहीं कहीं अगस्त के प्रथम रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य व्यक्तियों, देशों और संस्कृतियों के बीच मित्रता एवं शांति प्रयासों के लिये प्रेरित करना और समुदायों के बीच पुलों का निर्माण करने के महत्व एवं आवश्यकता को समर्थन देते हुए एवं अपने स्तर पर जन जागरूकता फैलाना है।

**आत्महत्या निषेध दिवस 10 सितम्बर-** वैश्विक रूप से भौतिकवाद एवं सुविधा संसाधनों में खुशी की खोज की प्रतिस्पर्धा ने मानव विचारों एवं व्यवहार में कई तरह के अवसादों ने घर कर लिया है, जिसकी परिणति के रूप में मानव दूसरों का या स्वयं अपना ही जीवन समाप्त करने के लिये उतारू हो जाता है। यह एक प्रकार की विकृत प्रवृत्ति है, जिसको समझने तथा लोगों के बीच सकारात्मक जीवन की लालसा को बढ़ाने के लिए सचेत यथेष्ट प्रयास, सभ्य समाज की अवधारणा पर इस दिवस को आयोजित किया गया है।

**वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर-** इन कार्यक्रमों में संस्थान के आनंदकों, विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों के लोग जन प्रतिनिधियों, शासकीय कर्मचारियों, मीडिया आदि के लोगों को आमंत्रित कर वृद्ध जन के प्रति जागरूकता के साथ-साथ उन्हें आनंद की अनुभूति कराने हेतु विभिन्न कार्यक्रम किये जाते हैं।

**हर घर दीवाली-** दीवाली पर्व को भारतीय समाज में आनंद व समृद्धि का त्यौहार माना जाता है, जहाँ हर कोई अपने सामर्थ्य अनुसार घर में नई चीजे लाता है। राज्य आनंद संस्थान अपने कार्यक्रमों में "मदद" को प्रोत्साहित करता है, जिसमें हम अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं को दूसरों को उपयोग हेतु देते हैं। इसी कड़ी में आनंदको ने दीवाली मदद की अवधारणा को विस्तार दिया और शहर के संसाधन विहीन बस्तियों में रहने वाले घरों में भी दीवाली अच्छे से मने, इसके लिए उन्हें अपने घरों से अतिरिक्त सामग्री ले जाकर देने की शुरुआत की। इस धारणा को राज्य आनंद संस्थान ने प्रदेश के सभी जिलों में फैलाने का प्रयास किया, जिसके लिए "हर घर दीवाली" अभियान को आनंदक, सहयोगी, क्लब के पदाधिकारियों के साथ मिलकर चलाया जाता है एवं व्यक्तिगत/ समूह स्तर पर लोगों से संपर्क करते हुए अपने आस-पड़ोस में साधन विहीन घरों में दीवाली के अवसर पर कुछ न कुछ सहयोग देने का कार्यक्रम तैयार करते हैं एवं इस अवसर पर Joy of Giving का बेहतरीन अनुभव प्राप्त करते हैं।

**अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस-05 दिसम्बर-** अपने समय एवं कौशल के माध्यम से दुनिया को बेहतर जगह बनाने में मदद करना इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य है। वर्तमान में दुनिया को बेहतर बनाने के लिए विश्व में पर्यावरण से लेकर हिंसा मुक्त समाज, जिसमें सभी नागरिक शांति एवं आनंद के साथ एक-दूसरे का ख्याल रखते हुए जीवन जी सकें, के प्रयास किये जा रहे हैं। इसी भाव को समर्पित यह मदद न केवल दूसरों के जीवन को बेहतर बनाती है, बल्कि जब हम स्वैच्छा से काम करते हैं तो अपने समुदाय से संबंधित अधिक समझ भी हासिल करते हैं।

**विश्व सामाजिक न्याय दिवस-20 फरवरी-** भारत विभिन्नताओं का देश है। अतः यहां असमानता का उन्मूलन एक बड़ी चुनौती है। किन्तु यही विभिन्नता भारत की विशिष्टता भी है। इन्हीं विभिन्नताओं के बीच एक ऐसे वातावरण को निर्मित करने की आवश्यकता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हों।

सामाजिक न्याय तभी सुनिश्चित हो सकता है जब लोगों को लिंग, आयु, नस्ल, धर्म अथवा संस्कृति के कारण समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस हेतु निश्चित रूप से बड़े स्तर पर राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं भौतिक प्रयास हो रहे हैं। किन्तु इस दिशा में प्रत्येक को अपने दायित्व एवं भूमिका का निर्वहन करने की भी आवश्यकता है। मध्यप्रदेश में राज्य आनन्द संस्थान, आनंद विभाग इस अवधारणा पर कार्य करते हुए समाज में समानता एवं सामाजिक न्याय की स्थापना हेतु भी एक उत्प्रेरक की भूमिका का निर्वहन करने हेतु प्रतिबद्ध है।

**अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस-20 मार्च-** इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दृष्टिकोण में बदलाव लाना है। व्यक्ति को इस बात का आभास कराना है कि केवल आर्थिक विकास ही आवश्यक नहीं बल्कि लोगों की खुशहाली और सुख को बढ़ाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त यह दिवस समावेशी, न्यायोचित और संतुलित आर्थिक विकास की जरूरत पर बल देता है जिसमें सतत उन्नति, गरीबी उन्मूलन और सभी की खुशहाली व सुख को सुनिश्चित किया जा सके और खुशी की तलाश को मानवीय अधिकारों और बुनियादी लक्ष्य में शामिल किया जा सके।

मध्यप्रदेश में राज्य आनंद संस्थान, एक स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से तनाव मुक्ति एवं आनंद के प्रसार की दिशा में प्रयासरत है।

-----00-----

अध्याय – 3

संस्थान में नियुक्तियां/भार मुक्त  
(वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान)

अ. नियुक्तियां

अधिकारी का नाम	पद	पदस्थापना	शैक्षणिक योग्यता
-- निरंक --			

ब. भार मुक्त

अधिकारी का नाम	पद	नियुक्ति	भार मुक्त
श्री प्रवीण कुमार	निदेशक	मार्च-2021	फरवरी-2022
श्री इन्द्रपाल सिंह	निदेशक	जुलाई-2018	मार्च-2022

-----00-----



## अध्याय – 4

### वित्तीय प्रतिवेदन 2021-22

इस वित्तीय वर्ष में संस्थान को शीर्ष 002 संधारण अनुदान में राशि रु 5.00 करोड़ एवं शीर्ष 004 पोषण अनुदान में राशि रूपये 1.00 करोड़, इस प्रकार कुल 6.00 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ है।

प्राप्त आवंटन राशि रूपये 6.00 करोड़ के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2021-22 में राशि रूपये 2.94 करोड़ आहरित की गई है।

-----00-----

**राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा**

राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा में निम्नानुसार सदस्य है--

1. माननीय मुख्यमंत्री- अध्यक्ष
2. विभाग के भारसाधक मंत्री- उपाध्यक्ष
3. कार्यपालन समिति के अध्यक्ष- सदस्य
4. मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन- सदस्य
5. माननीय मंत्री योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य- सदस्य
6. योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य विभागों से संबंधित प्रमुख सचिव- सदस्य
7. अध्यक्ष व माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नामांकित इक्कीस गैर शासकीय सदस्य जिन्होंने मानवीय आनंद और सकुशलता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया हो।
8. सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव

आवश्यक समझे जाने पर सामान्य सभा के अध्यक्ष, विषय के जानकार व्यक्तियों, विभागों के भारसाधक मंत्रीगण तथा अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सकते हैं।

**राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति**

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति में निम्नानुसार सदस्य है--

1. अध्यक्ष- राज्य शासन द्वारा नामांकित
2. मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव
3. अध्यक्ष द्वारा 2 वर्ष के लिये नामांकित 3 अशासकीय सदस्य
4. प्रमुख सचिव, योजना/ खेल एवं युवा कल्याण/ स्कूल शिक्षा/ उच्च शिक्षा/ तकनीकी शिक्षा/ स्वास्थ्य/ संस्कृति विभाग – सदस्य
5. संस्थान के सेटअप में वर्णित निदेशकगण- पदेन सदस्य

## संस्थान का अमला

राज्य आनंद संस्थान हेतु निम्नानुसार अमला स्वीकृत है :-

क्र.	स्वीकृत पदनाम	पद संख्या	पदस्थ	प्रशासनिक स्तर
1.	अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति	1	1	अपर मुख्य सचिव
2.	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	1	1	सचिव
3.	निदेशक- अनुसंधान / रा.का.अधि.	1	--	प्राध्यापक
4.	निदेशक- प्रशासन/रा.का.अधि.	1	--	उपसचिव
5.	निदेशक- कार्यक्रम/रा.का.अधि	2	--	उपसचिव
6.	निदेशक- हैप्पीनेस इंडेक्स/रा.का.अधि.	1	--	उपसचिव
7.	कार्यक्रम समन्वयक (प्रोग्राम)	2	1	उपसंचालक
8.	कार्यक्रम समन्वयक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	2	0	उपसंचालक
9.	कंसल्टेंट (रिसर्च/डाक्युमेंटेशन)	2	1	उपसंचालक
10.	कार्यक्रम सहायक (प्रोग्राम)	1	1	सहा.ग्रेड1
11.	कार्यक्रम सहायक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	1	0	सहा.ग्रेड1
12.	अनुसंधान सहायक	1	0	सहा.ग्रेड1
13.	सहा.लेखा अधिकारी	1	0	सहा.ग्रेड1
14.	सहा.ग्रेड 1	2	1	सहा.ग्रेड1
15.	कंसल्टेंट (आईटी)	1	1	
16.	सहा. कंसल्टेंट (आईटी)	1	1	
17.	कार्यालय सहा. (मल्टी टास्क)	7	7	
	योग	28	15	

उक्त स्वीकृत पदों के विरुद्ध वर्तमान में 15 अधिकारी/ कर्मचारी कार्यरत है। शेष रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया जारी है।